# MANOHAR LAL TEKRIWAL COLLEGE

## SAHARSA - 852201

# INFORMATION BULLETIN

DR. D.N. SAH
PRINCIPAL

Website: mltcollege.org
E-mail: info@mltcollege.org, mltcollegebnmu@gmail.com

राय मनोहरलाल टेकरीवाल

कोशी के पिछड़े क्षेत्र में छात्रों के उज्ज्वल भविष्य एवं उच्च शिक्षा के समुचित विकास के लिए - सहरसा के शिक्षा प्रेमियों के द्वारा ''सहरसा कॉलेज, सहरसा'' की स्थापना 2 जून 1952 को हुई थी जिसमें ( राय मनोहरलाल टेकरीवाल ) ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

यह महाविद्यालय लगभग 11.80 एकड़ जमीन में स्थित है। सर्वप्रथम यह महाविद्यालय, बिहार एवं भागलपुर विश्वविद्यालय के अन्तर्गत था। पुन: 1975 में ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा द्वारा अंगीभूत महाविद्यालय के रूप में राज्य सरकार द्वारा अधिग्रहण हुआ।

राज्य सरकार एवं भूपेन्द्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय, मधेपुरा के अधिषद् सूचना के द्वारा इस महाविद्यालय, का नाम ''मनोहर लाल टेकरिवाल कॉलेज, सहरसा'' कर दिया गया। यह महाविद्यालय, विश्वविद्यालय, अनुदान आयोग'' **2f** एवं **12B** के अन्तर्गत निबंधित है।

इस महाविद्यालय में सह-शिक्षा, स्नातक के कला एवं विज्ञान के सभी विषयों में प्रतिष्ठा स्तर तक की पढ़ाई एवं स्नातकोत्तर कला में इतिहास, अर्थशास्त्र, अंगेजी, हिन्दी, मैथिली, राजनीति शास्त्र तथा स्नातकोत्तर के सभी विज्ञान के विषय-भौतिक विज्ञान, जन्तु विज्ञान, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान एवं गणित तक की पढ़ाई है।

इस महाविद्यालय में विज्ञान के समृद्ध प्रयोगशाला, व्यवस्थित पुस्तकालय, खेल का मैदान, छात्रावास एवं मनोविनोदशाला उपलब्ध है।

इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा संचालित स्नातक स्तरीय व्यवसायिक शिक्षा - वायोटेक्नोलॉजी, बी०सी०ए०, नालंदा खुला विश्वविद्यालय एवं इन्दिरा गाँधी मुक्त विश्वविद्यालय का अध्ययन केन्द्र है।

द्वितीय सृष्टि के रचयिता महाऋषि विश्वामित्र की कर्म भूमि कोशी अंचल ज्ञान–विज्ञान के नवोन्मेष से सदा आप्लावित रहा है। अनेक मनीषियों ने कर्म और ज्ञान से इस क्षेत्र को उर्जान्वित किया है और उस उर्जा के प्रकाश को दिग–दिगंत तक फैलाया है। देश–विदेश के आगन्तुकों विद्वानों की ज्ञान–पिपासा को इस भूमि ने शांत किया है। परंतु, कालांतर में स्थिति ने करवट ली । जब विदेशी आगंतुकों के समक्ष भारत ने घुटने टेक दिया, तक्षशीला, नालंदा और विक्रमशिला जैसे विश्व विश्रुत विश्वविद्यालय नष्ट कर दिये गये, तो स्वभावतः भारतवर्ष में ज्ञान की रोशनी क्षीण होने लगी । कोशी अंचल भी इस प्रभाव से अछूता न रहा। प्रकाश फैलाने वाले संस्थान या तो समाप्त कर दिये गये अथवा स्वतः समाप्त हो गये। लोग अंधकार युग में जीने लगे ।

भारत आजाद हुआ । परिस्थितियाँ बदली। सभी क्षेत्रों में जागरण का शंखनाद निनादित होने लगा। लोगों की आकांक्षाएँ छलांग लगाने लगी। अपने गौरवशाली अतीत को पाने के लिए लोग लालायित होने लगे। इसके लिए आवश्यकता थी ऐसे संस्थान की जहाँ से ज्ञान का प्रकाश फैले, ज्ञानियों की ऐसी फौज तैयार हो जो विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहुँच बनाकर नये राष्ट्र के समक्ष भारत वर्ष को शान से खड़ा कर सके। इसी सोच को क्रियान्वित करने के लिए 02 जून 1952 ई0 को एक संस्थान की स्थापना हुई जिसका नाम ''सहरसा महाविद्यालय, सहरसा'' रखा गया जिसे कालान्तर में बदल कर ''मनोहर लाल टेकरीवाल महाविद्यालय'' किया गया। तब से लेकर आज तक यह महाविद्यालय अपने उदेश्यों में सफल होकर निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। आज भी जब देश में विभिन्न तरह के हजारों महाविद्यालय और सैकड़ों विश्वविद्यालय कार्यरत हैं, और नित नये–नये महाविद्यालय विश्वविद्यालय खुल रहे हैं, इस महाविद्यालय की अपनी अलग और विशिष्ट पहचान कायम है। अपने स्थापना काल में महाविद्यालय में जहाँ केवल कला विषयों की पढ़ाई होती थी, वहीं आज विज्ञान के विभिन्न विषयों के अलावे जैव प्रौद्योगिकी (बॉयोटेक), कम्प्युटर शिक्षा (बी0सी0ए), दुरस्थ शिक्षा (इग्नु और नालंदा विश्वविद्यालय की शाखा) एवं बी. एड. पाठ्यक्रम की पढ़ाई से सुसज्जित है। छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए अध्ययन के अलावा एक एन0सी0सी0 यूनिट, एन0एस0एस0 एवं विभिन्न खेल–कुद की व्यवस्था है। विशाल मनोविनोदशाला, समृद्ध पुस्तकालय, समृद्ध प्रयोगशाला एवं विशाल क्रीड़ा मैदान के लिए यह महाविद्यालय बिख्यात है। यहाँ से शिक्षा प्राप्त कर छात्रों ने अनेक क्षेत्रों में सफलता का परचम लहराया है और राष्ट्रपति पुरस्कार तक प्राप्त किया है।

तो आइये, गुरू–शिष्य–परंपरा का निर्वहन करते हुए, महाविद्यालय के उत्तरोतर विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें ।

**'' न हि ज्ञानेन सदृशं पावित्रमिह विद्यते ''**

Website : www.mltcollege.org
E-mail : info@mltcollege.org
mltbnmu@gmail.com

**डॉ० देवनारायण साह**
**प्रधानाचार्य**

स्थापना काल से प्रधानाचार्य की कार्य अवधि –

अनुक्रमणिका

| क्रम सं० | नाम | | अवधि |
|---|---|---|---|
| 01. | श्री अमरनाथ मुखर्जी | – फरवरी 1953 | – अगस्त 1953 |
| 02. | श्री रामाज्ञा द्विवेदी | – अक्टूबर 1953 | – नवम्बर 1953 |
| 03. | श्री सच्चिदानंद सिन्हा | – 4 जनवरी 1954 | – 3 जून 1975 |
| 04. | श्री जगदीश्वर झा | – 4 जून 1975 | – 2 जून 1982 |
| 05. | डॉ० भैरव कान्त झा | – 3 फरवरी 1982 | – 10 फरवरी 1984 |
| 06. | डॉ० नवीन चन्द्र मिश्र | – 11 फरवरी 1984 | – 2 अप्रील 1990 |
| 07. | डॉ० भैरव कान्त झा | – 03 अप्रील 1984 | – 31 जनवरी 1990 |
| 08. | प्रो० एस० अहमद | – 01 फरवरी 1990 | – 21 मई 1991 |
| 09. | प्रो० सुदिष्ट मिश्र | – 22 मई 1990 | – 21 जून 1991 |
| 10. | डॉ० सैयद हसन | – 22 जून 1991 | – 22 सितम्बर 1993 |
| 11. | प्रो० एम० एफ० रहमान | – 22 सितम्बर 1993 | – 31 जनवरी 1994 |
| 12. | प्रो० महेन्द्र ना० यादव | – 01 फरवरी 1994 | – 4 मार्च 1994 |
| 13. | प्रो० भरत मोदी | – 5 मार्च1994 | – 29 नवम्बर 1994 |
| 14. | प्रो० (कैप्टन) कु० इन्दु भूषण | – 30 नवम्बर 1994 | –31 दिसम्बर 1994 (पूर्वा) |
| 15. | डॉ० सी०बी० शर्मा | – 30 नवम्बर 1994 | – 31 दिसम्बर 1994 (पूर्वा) |
| 16. | डॉ० सैयद हसन | – 31 दिसम्बर 1996 (अप०) | – 1 जनवरी 1997 (पूर्वा) |
| 17. | डॉ० सृष्टिधर झा "विजय" | – 1 नवम्बर 1999 | – 30 जनवरी 2003 |
| 18. | डॉ० कैशल किशोर मंडल | – 31 जनवरी 2003 | – 30 नवम्बर 2003 (पूर्वा) |
| 19. | प्रो० नृपेन्द्र नारायण सिंह | – 30 नवम्बर 2003 (अप०) | – 30 जुन 2004 (पूर्वा) |
| 20. | डॉ० रूद्र प्रताप सिंह | – 30 जून 2004 (अप०) | – 09 अगस्त 2004 (पूर्वा) |
| 21. | डॉ० अरविन्द कुमार सिंह | – 09 अगस्त 2004 (अप०) | – 31 दिसम्बर 2004 |
| 22. | डॉ० अंजनी कुमार सिन्हा | – 01 जनवरी 2005 (पूर्वा) | – 03 मार्च 2009 पूर्वाहन |
| 23. | डॉ० राजीव सिन्हा | – 03 मार्च 2009 (अप0) | – 11 मई 2015 पूर्वाहन |
| 24. | डॉ0 कालेश्वरी प्रसाद यादव | –11 मई 2015 (अप०) | |

## प्रवेश नियम

1. प्रवेश पाने के इच्छुक छात्र/छात्रा अपने आवेदन–पत्र के साथ निम्नलिखित कागजात की सच्ची प्रमाणित प्रतिलिपि संलग्न करें तथा प्रवेश पाने के समय उसका मूल–पत्र कार्यालय में उपस्थित करें ।

क) पुराने महाविद्यालय छोड़ने का प्रमाण–पत्र (C.L.C./S.L.C.) अथवा स्थानान्तरण प्रमाण–पत्र (T.C.)

ख) गत परीक्षा का प्रवेश–पत्र (Admit Card)

ग) गत परीक्षा का अंक पत्र (Mark Sheet)

2. दूसरे विश्वविद्यालय से आने वाले छात्रों को इस कॉलेज में तभी प्रविष्ट किया जाएगा जबकि वे अपने विश्वविद्यालय में प्रव्रजन प्रमाण–पत्र (Migration Certificate) लेकर कार्यालय में समर्पित करेंगे ।

## छात्रावास के नियम

छात्रावास में प्रवेश चाहने वाले छात्रों को कॉलेज में प्रवेश करने पर छात्रावास–अधीक्षक के द्वारा प्रधनाचार्य के यहाँ आवेदन करना चाहिए । प्रधानाचार्य के निर्णय पर ही छात्रावास में प्रवेश की अनुमति मिलेगी ।

छात्रावास रहने के लिए छात्रावास के नियमों को मानना होगा । छात्रावास में छात्रावास अधीक्षक से अनुमति प्राप्त कर ही कोई छात्र छात्रावास से अनुपस्थित हो सकते हैं।

## अनुशासन

सभी छात्र/छात्राओं को अनुशासन के नियमों का एक रूप पालन करना होगा–

1. छात्र/छात्राओं से अपेक्षित है कि वे व्याख्यानों एवं अभ्यास की कक्षाओं में समयनिष्ठ रहे हैं ।
2. नामांकन के समय छात्र/ छात्रा की उपस्थिति अनिवार्य होगा ।
3. छात्र–छात्राएँ अपना खाली समय या तो पुस्तकालय में अध्ययन में व्यतीत करेंगे अथवा कॉमन–रूम में मनोरंजन भी कर सकते हैं ।
4. कोई भी छात्र/छात्रा प्राचार्य की अनुमति के बिना महाविद्यालय के अहाते के बाहर नहीं जायेंगे । सिर्फ व्याख्यान तथा कक्षाएँ समाप्त होने पर वे घर जा सकते हैं ।
5. महाविद्यालय में कोई भी बैठक (Meeting) नहीं होगी, और न ही प्राचार्य की अनुशंसा के अभाव में किसी भी प्रकार की गतिविधि का संचालन किया जायेगा ।
6. प्राचार्य की पूर्व अनुमति के बिना किसी भी प्रकार का चन्दा–सहयोग अवांछनीय होगी ।

## रेलवे कॉन्शेसन

1. किसी छात्र को मात्र छुट्टियों में शैक्षणिक संस्था से घर जाने तथा पुनः वापस आने हेतु कॉन्सेशन की स्वीकृति दी जा सकती है। यहाँ घर शब्द का अर्थ है (अ) छात्र का जन्म अथवा (आ) वह स्थान जहाँ छात्र के माता–पिता या अभिभावक साधरणतः निवास करते हैं ।
2. कॉन्सेशन छात्र को तभी स्वीकृत किया जा सकेगा जबकि उसने प्रस्थान की तिथि से कम से कम सात दिन पहले इस उद्देश्य से आवेदन दिया है।
3. किसी छात्र को राज्य अथवा केन्द्र सरकार द्वारा संचालित उस परीक्षा या अन्तर्वीक्षा में भाग लेने हेतु भी कॉन्सेशन स्वीकृत किया जा सकेगा जिसका उद्देश्य ऊँची शैक्षणिक योग्यताओं की प्राप्ति हो और छात्र परीक्षा अधिकार का प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करें ।
4. कॉन्सेशन तभी जारी किया जायेगा जब घर शब्द का विवरण कॉलेज की नामांकन पंजी में स्पष्ट रूप से अंकित हो ।

## पुस्तकालय के नियम

1. पुस्तकें लेने और लौटाने के लिए छात्रों को परिचय–पत्र एवं पुस्तकालय पत्र साथ चाहिए । कार्ड पर जो पुस्तकें दर्ज रहेंगी, उनका उत्तरदायित्व उन्हीं पर रहेगा ।
2. यदि पुस्तक नष्ट–भ्रष्ट हुई, उसमें निशान लगाये गये, खो गई तो बदले में पुस्तकें जमा करनी पड़ेगी, कदाचित बदले की पुस्तक न मिल सकें तो प्रधानाचार्य के निर्णय के अनुसार उसका मूल्य जमा करना होगा ।
3. कार्ड पर ली गयी पुस्तकें एक पक्ष (15 दिनों तक) रखी जा सकती है। आवश्यकता पड़े तो पुस्तक लौटाकर फिर दस दिनों के लिए दुबारा ले सकते हैं । 14 दिनों के बाद पुस्तक नहीं लौटाने पर 10 पैसा प्रति पुस्तक प्रतिदिन की दर से अतिरिक्त शुल्क देना पड़ेगा ।
4. कोई पुस्तक किसी भी समय, तीन दिनों की सूचना पर वापस मंगाई जा सकती है।
5. पुस्तकों के चयन के लिए छात्र कैटलॉग कार्ड से निर्देश पर प्राप्त कर सकते हैं ।
6. यदि कोई परिचय–पत्र खो जाय तो शुल्क जमाकर फिर नया कार्ड ले लेना चाहिए ।

## परीक्षा विभाग

1. महाविद्यालय की परीक्षाओं के विधिवत् संचालन के लिए परीक्षा नियंत्रक (Controller of Examination) नियुक्त है ।
2. महाविद्यालय की निर्धारित परीक्षा में बैठना प्रत्येक छात्र के लिए अनिवार्य होगा । इसमें उत्तीर्ण होने पर ही विश्वविद्यालय परीक्षा में वे बैठ सकेंगे ।
3. विश्वविद्यालय परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए छात्र को वर्ग में 75 प्रतिशत उपस्थिति प्राप्त करना अनिवार्य होगा ।

## एन० सी० सी० (N.C.C.)

इस महाविद्यालय में एन० सी० सी० संचालन है । जो 17 Bihar Bn. के अन्तर्गत है। एन० सी० सी० तीन वर्षों के अवधि की है। प्रत्येक वर्ष के आरंभ में प्रथम, द्वितीय और तृतीय पार्ट से स्वस्थ एवं चुस्त विद्यार्थियों को एन० सी० सी० में भर्ती किया जाता है। प्रत्येक सप्ताह के दो या तीन दिन महाविद्यालय के प्रांगण में राइफल, ग्रेनेड, लाइट, मशीनगन आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है। साल में सिर्फ 10 महीने पैरेड होते हैं। 120 पैरेड प्रत्येक वर्ष करने पर दूसरे वर्ष में Certificate 'B' तथा तीसरे वर्ष में Certificate 'C' की परीक्षा होती है।

बिहार सरकार ने Certificate 'B' प्राप्त करने वाले को 10 अंक तथा Certificate 'C' प्राप्त करने वाले को 15 अंक सरकारी सेवाओं में देने का निर्णय किया है। सेना में प्रवेश करने के इच्छुक छात्र/छात्रा एन०सी०सी० दफ्तर से सम्पर्क करें जो महाविद्यालय प्रांगण में है।

## राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS)

एन० सी० सी० की तरह ही इस महाविद्यालय में छात्र–छात्राओं के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना नामक (National Service Scheme) नामक योजना प्रारंभ हुई । देश की नयी पीढ़ी में राष्ट्रीय तथा सामाजिक चेतना एवं सेवाभाव जागृत करने के लिए केन्द्र सरकार तथा राज्य सरकार के पारस्परिक सहयोग से इस योजना में युवा शक्ति का यथासंभव योगदान, अप्रत्याशित दैवी या मानवीय प्रकोंपो के भयानक परिणामों से निरूपाय देश–वासियों की रक्षा तथा राष्ट्र निर्माण हेतु समाज सेवा कार्यो में संलग्नता ही इस नयी योजना का मुख्य उद्देश्य है। इन समस्त गतिविधियों के द्वारा छात्र में आत्म–विश्वास एवं व्यक्तित्व की समृद्धि होती है। अतः छात्र का मुख्य उद्देश्य ज्ञान प्राप्ति है। अतः इसके कार्यक्रम शिक्षात्मक ही हैं । ठोस कार्य एवं प्रत्यक्ष अनुभव से प्राप्त यह शिक्षा कक्षा की शिक्षा का पूरक है और छात्रों को अपने छात्र की स्थिति से जोड़ती है तथा उसे अधिक उपयोगी नागरिक बनाती है।

## ज्ञातव्य बातें

क) एन०एस०एस० मे इस सत्र से केवल 50 छात्रों का ही नामांकन किया जायेगा ।

ख) एन०एस०एस० में नामांकित छात्रों को दो सत्रों तक रहना होगा । एक सत्र की अवधि में उन्हें 120 घेंटे उसके कार्यक्रमों में भाग लेना अनिवार्य होगा ।

ग) प्रत्येक वर्ष छात्रों के लिए छुट्टियों में विशेष शिविरों का आयोजन किया जाता है।

घ) छात्रों को उनकी सेवा कार्यों के लिए प्रमाण–पत्र दिये जाते हैं ।

- ❒ शिक्षा मानव मात्र का अधिकार ही नहीं, बल्कि न्यायपूर्ण समाज की रचना तथा उसे कायम रखने के लिए एक महत्वपूर्ण मानव उद्यम है।
- ❒ शिक्षा जीवन पर्यन्त चलते रहने वाली प्रक्रिया है ।
- ❒ ***"Education means knowledge. skills & attitude development"***
- ❒ शिक्षा वह साधन है जिसकी सहायता से भारत के संविधान में प्रतिष्ठित समाजवाद, धर्म निरपेक्षता एवं लोकतंत्र की प्राप्ति हो सकती है।

# पाठ्यक्रम

**कला संकाय** – इतिहास, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, दर्शनशास्त्र, हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, उर्दू, मैथिली

**विज्ञान संकाय** – भौतिकी, रसायनशास्त्र, वनस्पतिशास्त्र, जन्तुशास्त्र, गणित।

## इन्टरमीडिएट पाठ्यक्रम

### आई०ए०, आई०एस–सी०

**आई०ए०** – अनिवार्य विषय

(क) भाषा एवं साहित्य–100 अंक (हिन्दी), अंग्रेजी, संस्कृत, उर्दू, मैथिली। किसी एक भाषा का अध्ययन अपेक्षित है।

(ख) एन०आर०बी० हिन्दी– 50 अंक+एम०बी०–50 अंक (मैथिली), उर्दू, संस्कृत, अंग्रेजी

(ग) वैकल्पिक विषय–कला संकाय में तीन वैकल्पिक विषय यथा इतिहास, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र,दर्शनशास्त्र, हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, उर्दू, मैथिली, ज्ञातव्य हो कि भाषा एवं साहित्य विषय के रूप में जिस भाषा को छात्र रखेंगे उस भाषा का वैकल्पिक के रूप में नहीं रखा जा सकेगा । प्रत्येक वैकल्पिक विषय 100 अंक का होगा ।

**आई०एस–सी0**– अनिवार्य विषय

(क) भाषा एवं साहित्य–100 अंक (हिन्दी),अंग्रेजी,संस्कृत,उर्दू,मैथिली। किसी एक भाषा का अध्ययन अपेक्षित है।

(ख) एन०आर०बी० हिन्दी– 50 अंक+एम०बी०–50 अंक (मैथिली), उर्दू, संस्कृत, अंग्रेजी

(ग) वैकल्पिक विषय–विज्ञान संकाय में तीन वैकल्पिक विषय गणित, भौतिकी, रसायन शास्त्र अथवा जीव विज्ञान, भौतिकी विज्ञान।

## (प्रारूप विधान) स्नातक कला/विज्ञान सम्मान परीक्षा (त्रिवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम)

### पाठ्यक्रम की अवधि :

1. स्नातक कला/विज्ञान सम्मान का पाठ्यक्रम तीन वर्ष का होगा तथा विद्योपार्जन के प्रथम वर्ष को स्नातक (सम्मान) का प्रथम खण्ड, द्वितीय वर्ष को स्नातक कला/विज्ञान (सम्मान) का द्वितीय खण्ड तथा तृतीय वर्ष को स्नातक कला / (सम्मान) तृतीय खण्ड के नाम से जाना जायेगा ।

## प्रवेश के लिए योग्यता :

2. यदि अभ्यर्थी बोर्ड अथवा विश्वविद्यालय द्वारा इण्टरमीडियट परीक्षा में उतीर्ण हुए हों, या फिर विश्वविद्यालय द्वारा संचालित इण्टरमीडियट परीक्षा में उतीर्ण हुए हो, या फिर विश्वविद्यालयीन मान्यता प्राप्त अथवा उसके समतुल्य किसी अन्य परीक्षा में उत्तीर्ण घोषित हुए हो, तभी स्नातक कला/विज्ञान (सम्मान) में दाखिला मिल सकता है।

स्नातक स्तर परीक्षा किसी भी विषय में सम्मान (Hons.) प्राप्त करने के हेतु अभ्यर्थी के लिए यह अनिवार्य होगा कि उसे विशेषज्ञ विषय में इण्टरमीडिएट स्तर पर परीक्षा में कम–से कम 45% अंक प्राप्त हुए हों। ऐसी स्थिति में जबकि कोई विषय एकेडेमिक काउन्सिल (शिक्षा परिषद्) के द्वारा इण्टरमीडियट स्तर पर अध्ययन के लिए स्वीकृति मिल सकता है।

पुनश्चः यदि किसी अभ्यर्थी ने इण्टरमीडियट के स्तर पर विज्ञान में 45% सम्पूर्णांक के साथ सफलता प्राप्त की है, तो वह स्नातक सम्मान पाठ्यक्रम (कला) के किसी भी विषय में दाखिले के योग्य है, भले ही उसने उस विषय में इण्टरमीडियट स्तर पर अध्ययन न किया हो । परंतु स्नातक सम्मान पाठ्यक्रम 'विज्ञान' में प्रवेश हेतु सिर्फ वही अभ्यर्थी योग्य है जिन्होंने इण्टर स्तर पर विज्ञान विषय का अध्ययन किया हो ।

## स्नातक कला/विज्ञान (सम्मान) के वित्तीय एवं पाठ्यक्रम का प्रारूप :

3.1 स्नातक स्तर के परीक्षार्थी के लिए यह अनिवार्य होगा कि एक ऑनर्स विषय में 8 पत्रों के उत्तर लिखने होंगे, दो सहायक विषयों में 4 पत्रों के उत्तर लिखने होंगे, एक/दो भाषाएँ, राष्ट्रभाषा के विषय में 2 पत्रों के होगे एक पत्र समान्य ज्ञान का होगा । इस प्रकार समग्रतः 15 पत्र पढ़ने होंगे । इन पन्द्रह पत्रों का विभाजन प्रति खण्ड 5 पत्रों के हिसाब से निम्नलिखित प्रारूप के अनुसार होगा–

| परीक्षा | सम्मान के विषय | सहायक | रचना | सामान्य ज्ञान | कुल |
|---|---|---|---|---|---|
| स्नातक कला/विज्ञान (सम्मान) प्रथम | 2 पत्र (पत्र i तथा ii) | 2 पत्र | 1 पत्र | – – | 5 पत्र |
| स्नातक कला/विज्ञान (सम्मान) | 2 पत्र (पत्र iii तथा iv) | 2 पत्र (पत्र ii किसी दो) | 1 पत्र | – – | 5 पत्र |
| स्नातक कला/विज्ञान (सम्मान) | 4 पत्र (पत्र v,vi, vii viii | | | | |
| कुल जमा | 8 पत्र | 4 पत्र | 2 पत्र | 1 पत्र | 15 पत्र |

**3.2 इनमें से प्रत्येक पत्र का पूर्णांक 100 होगा ।**

किन्तु जिस विषय में प्रैक्टिकल परीक्षा का प्रावधान होगा (i) अतिरिक्त विषय के संदर्भ में दो पत्रों में से प्रत्येक पत्र में 25 अंक प्रैक्टिकल के लिए निर्धारित होंगे तथा (ii) सम्मान विषय में संदर्भ में 1 पत्र तथा 2 पत्रों में से प्रत्येक पत्र 75–75 अंको के होंगे तथा प्रैक्टिकल परीक्षा 50 अंकों की होगी, ii पत्र एवं iv पत्र 75–75 अंकों के होंगे तथा प्रैक्टिकल परीक्षा 50 अंकों की होगी तथा viii पत्र 100 अंकों का पूर्णतया प्रैक्टिकल परीक्षा का ही रहेगा । पत्र v, vi तथा vii 100 अंकों का पूर्णतया सैद्धान्तिक पत्र तथा viii 100 अंक का प्रैक्टिकल परीक्षा होगा ।

## 3.3 Bachelor of Arts (B.A.) Honours

(a) स्नातक कला सम्मान के लिए प्रस्तुत परीक्षार्थी को निम्नांकित विषयों में किसी एक विषय में सम्मान का चुनाव करना होगा

मैथिली, संस्कृत, हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू, इतिहास ।

अर्थशास्त्र, दर्शनशास्त्र, राजनीति विज्ञान ।

यदि कोई अभ्यर्थी भाषा एवं साहित्य में से ही किसी एक विषय में सम्मान का चयन करते हैं तो उस स्थिति में उसे एक से अधिक भाषा का सहायक विषय के रूप में चयन करने का अधिकार नहीं होगा ।

**कोई दो अतिरिक्त विषय :–**

(1) अंग्रेजी अथवा हिन्दी अथवा संस्कृत अथवा उर्दू अथवा मैथिली ।

(2) इतिहास अथवा गणित ।

(3) अर्थशास्त्र अथवा दर्शनशास्त्र ।

(4) राजनीति विज्ञान ।

## 3.3 Bachelor of Science (B.Sc.) Honours

(ib) स्नातक विज्ञान सम्मान के लिए प्रस्तुत परीक्षार्थी को निम्नांकित विषयों में से किसी एक विषय में सम्मान तथा दो अतिरिक्त विषयों का चुनाव करना होगा–

| **सम्मान विषय** | | **सहायक विषय** |
|---|---|---|
| भौतिक शास्त्र | –गणित | रसायन शास्त्र |
| रसायन शास्त्र | –गणित | भौतिक शास्त्र |
| प्राणि विज्ञान | –वनस्पति विज्ञान | रसायन शास्त्र |
| वनस्पति विज्ञान | –प्राणि विज्ञान | रसायन शास्त्र |
| गणित | –भौतिक शास्त्र | रसायन शास्त्र |

## *3.4 Composition (Compulsory)*

*(ii)* रचना विषय (राष्ट्रभाषा) के रूप में परीक्षार्थी (अ) अथवा (ब) का चुनाव कर सकते हैं–

(अ) हिन्दी.....प्रथम एवं द्वितीय खण्डों के लिए क्रमशः 100 अंकों का एक–एक सम्पूर्ण पत्र ।

(ब) हिन्दी.....प्रथम एवं द्वितीय खण्डों के लिए हिन्दी (50 अंक) तथा निम्नलिखित में से अंग्रेजी उर्दू, मैथिली, किसी एक भाषा का 50 अंकों का अध्ययन ।

स्थायी तौर पर अभारतीय नागरिक (अ) अथवा (ब) के स्थान पर अंग्रेजी (उच्च स्तर) ले सकते हैं।

**4. एम०ए० एवं एम०एस–सी० –**

एम०ए० एवं एम०एस–सी० पाठ्यक्रम दो वर्षों (चार सेमस्टर) का होता है। दोनों वर्षो अर्थात प्रीवियस वर्ष (प्रथम एवं द्वितीस सेमस्टर) एवं फाईनल वर्ष (तृतीय एवं चतुर्थ सेमस्टर) में विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षा संचालित की जाती है। दोनों वर्षों की परीक्षाओं को जोड़कर फाईनल रिजल्ट होता है।

**5. एम०ए० पाठ्यक्रम –**

एम०ए० में निम्न विषयों की पढ़ाई महाविद्यालय में होती है। यथा– राजनीति विज्ञान, इतिहास, अर्थशास्त्र, हिन्दी, अंग्रेजी, मैथिली।

**एम०एस–सी० पाठ्यक्रम**– वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान, भौतिकी, रसायनशास्त्र एवं गणित।

**6. परीक्षा :–**

प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय खण्ड के समापन पर वर्ष के अंत में विश्वविद्यालय द्वारा संचालित, वार्षिक परीक्षा होगी, जो कि क्रमशः स्नातक कला/सम्मान/खण्ड प्रथम, द्वितीय एवं खण्ड तृतीय की परीक्षा के नाम से जानी जायेगी । कोई भी छात्र/छात्रा स्नातक कला/विज्ञान/सम्मान खण्ड द्वितीय की कक्षा में प्रवेश तब तक नहीं पा सकते, जब तक कि वह स्नातक कला/सम्मान खण्ड प्रथम की परीक्षा में उत्तीर्ण न हो जाये ।

यदि कोई छात्र/छात्रा स्नातक कला/सम्मान खण्ड प्रथम/द्वितीय की परीक्षा में दो विषयों में असफल हो जाये अथवा परीक्षा देने से वंचित रह जाये तो उसे अगली कक्षा में प्रवेश मिल सकता है, किन्तु वह किसी भी अवस्था मे स्नातक कला/विज्ञान सम्मान खण्ड की परीक्षा मे विषय/ में उत्तीर्ण न हो जाये । किन्तु छोड़े गये विषय/विषयों की परीक्षा में भाग लेने की यह सुविधा एक छात्र/छात्रा को निरंतर तीन बार से ज्यादा नहीं दी जायेगी ।

**7. शुल्क :–**

शुल्क दाखिल के समय तथा प्रत्येक सत्र के प्रारंभ में अदा करने होंगे । शुल्क के विषय में सूचित किया जायेगा । (विश्वविद्यालय के नियमानुसार)

# LIST OF TEACHING AND NON-TEACHING STAFFS OF MLT COLLEGE (SAHARSA)

College Phone No. : 06478-223436, Fax No. 06478-223436

## DEPARTMENT OF ENGLISH :

1. Dr. S.K. MISHRA
2. Dr. Arvind K. Yadav

## DEPARTMENT OF SANSKRIT

1. Dr. D.N. Jha

## DEPARTMENT OF URDU/PERSIAN

1. Dr. M. Saud Alam

## DEPARTMENT OF HINDI

1. Dr. D.K. Gupta
2. Dr. Lala Praveen Kr. Sinha
3. Dr. Uday Kumar

## DEPARTMENT OF MAITHILI

1. Dr. D.N. Sah
2. Dr. Suman Kr. Jha
3. Dr. Balbir Jha

## DEPARTMENT OF MATHEMATICS

1. Dr. K.N. Jha

## DEPARTMENT OF HISTORY

1. Dr. Amol Jha
2. Dr. Ajay Kumar Singh

## DEPARTMENT OF PHYSICS

1. Dr. B.K. Singh
2. Dr. Vineet Sharma

## DEPARTMENT OF POL. SCIENCE

1. Dr. D.N. Singh

## DEPARTMENT OF CHEMISTARY

1. Dr. A.K. Das
2. Dr. Akhlesh Kumar Singh
3. Dr. Sanjeev Kumar Jha
2. Dr. Sanyucta Kumari

## DEPARTMENT OF PHILOSOPHY

1. Prof. Shambhu Pd. Singh
2. Prof. Abhilasha Kumari

## DEPARTMENT OF BOTANY

1. Dr. Ashok Kumar Jha
2. Dr. Shikha Choudhary (D)

## DEPARTMENT OF ECONOMICS

1. Dr. P.C. Jha
2. Sri S.S. Jha

## DEPARTMENT OF ZOOLOGY

1. Prof. R.K. Keshri

## (Third Grade)

NON TEACHING STAFF.

1. Sri Pranav Kumar (Sorter)
2. Sri Abdhesh Kumar Jha (Accountant)
3. Sri Pawan Kumar Jha (C. Clerk)
4. Sri Satyendra Singh (C. Clerk)
5. Sri Krishna Deo Ram (L.D. Assistant)
6. Sri Chandra Shekher Adhikari (P.T.I.)
7. Sri Ashutosh Kr. Singh (Clerk)
8. Sri Padma Bahadur Rana (Clerk)
9. Sri Sachchinand Choudhary (Clerk)
10. Smt. Roopam Sinha (Clerk)
11. Sri Supaul Murmu (Typist)
12. Md. Alim Uddin (Sorter)
13. Shri Rishi Kumar Mishra (Lab Incharge)
14. Shri Raja Raman Kumar (Lab Incharge)
15. Shri Rabindra Kumar Singh (Lab Incharge)

## (Fourth Grade)

1. Md. Irshad
2. Sri Surendra Sah
3. Sri Lakhan Kumar (Lab Boy)
4. Sri Sujit Kumar
5. Sri Bimlanand Jha
6. Sri Narayan Sah
7. Md. Islam
8. Sri Ajay Kumar Jha
9. Sri Shiveshwar Nath Jha
10. Smt. Draupati Devi
11. Sri Shailendra Mishra (Lab Boy)
12. Sri Kishun Kamat
13. Sri Mukesh Kumar

## ADMISSION COMMITEE

| | | |
|---|---|---|
| 1. | **PRINCIPAL, Dr. D.N. Sah** | **Chairman** |
| 2. | Dr. Amol Jha | Senior Member |
| 3. | Dr. S.K. Mishra | Member |
| 4. | Dr. D.N. Singh | Member |
| 5. | Dr. Sanjeev Kumar Jha | Member |
| 6. | Dr. Saud Alam | Admission Incharge (Arts) |
| 7. | Dr. A.K. Das | Admission Incharge Science |
| 8. | Dr. A.K. Singh | Member |
| 9. | Shri K.D. Ram | Member (Head Clerk) |
| 10. | Shri C.S. Adhikari | Member (P.T.I.) |

## BURSAR

**Dr. Ajay Kumar Singh**

## HOSTEL SUPERINTENDENT

**Dr. D.N. Sah**

## ATTESTATION INCHARGE

1. **DR. A.K. SINGH**
2. **PROF. PARDIP CHAND JHA**
3. **DR. SAUD ALAM**
4. **DR. SUMAN KUMAR JHA**

## RAILWAY CONCESSION

**DR. SUMAN KUMAR JHA**
**Dr. Abhilasha Kumari**
**MR. PADAM BAHADUR RANA (Asstt.)**

## EXAM DEPTT.

1. **DR. P.C. Jha- Controller of Exams**
2. **DR. Ajay Kumar Singh**
3. **Dr. Saud Alam**
4. **Shri Rishi Kumar Mishra (Asstt.)**

## ROUTINE INCHARGE

Dr. A.K. Das (Chem)

## SPORTS

1. Dr. D.N. Jha
2. Sri Ashok Kumar Jha
3. Sri C.S. Adhikari (PTI)

## DEVLELOPMENT COMMITTEE

1. Principal
2. Bursar
3. Senior most teacher
4. University Representative
5. University Engineer
6. Donar (Sri Shambhu Pd. Tekriwal)

## FREE STUDENTSHIP COMMITTEE

1. Dr. A.K. Singh (Bursar)
2. Dr. Viheet Sarma
3. Dr. S.K. Mishra
4. Dr. Sanjeev Kumar Jha
5. Sri Pawan Kumar Jha

## BIOTECHNOLOGY

***Principal cum Director : Prof. (Dr.) D.N.Sah***
***Co-ordinator : Dr. Sanjeev Kumar Jha***
***Asstt. : SRI Jyotish Kumar***

## B C A

***Director : Principal***
***Co-ordinator Dr. A. K. Das***
***Asstt. : Sri Sanjeev Kumar***

## IGNOU

***Director : Principal***
***Co- ordinator : Dr. D. N. Singh***

## NALANDA OPEN UNIVERSITY

***Co- ordinator : Principal***
***Asst. Co-ordinator, Dr. Ajay Kumar Singh***

## DEPARTMENT OF EDUCATION (B.Ed.)

***1. Dr. D.N. Sah, Principal***
***2. Dr. Supriya Sinha (H.O.D.)***

## NSS PROGRAMME OFFICER

***Dr. Suman Kumar Jha***

## NCC OFFICER

***Sri C.S. ADHIKARI***

STUDY CENTRE FOR COMPUTER EDUCATION
(B.N. MANDAL UNIVERSITY, MADHEPURA)
M.L.T. COLLEGE
SAHARSA-852201
COURSE
BCA

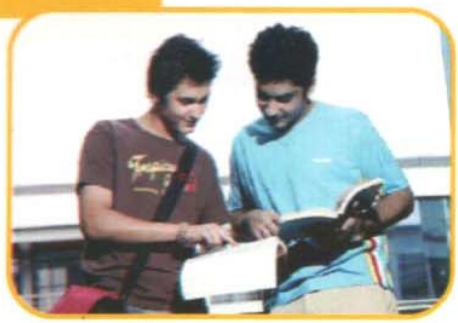

# MLT COLLEGE, SAHARSA

(Old Name - Saharsa College, Saharsa)

Saharsa - 852201 (BIHAR)

Ph. : 06478-223436

₹ 100/-

Printed by : Mazdoor Printing Press, Saharsa, # 9431863888